भारत सरकार
भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्रालय
भारी उद्योग विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 2669
जिसका उत्तर मंगलवार 10 मई, 2016 को दिया जाना है

भारी उद्योग को प्रोत्साहन

2669. श्री शंकर प्रसाद दत्ता:
श्री राजकुमार सैनी:
डॉ मनोज राजोरिया:

क्या भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) गत तीन वर्षों के दौरान देश के विभिन्न भागों में स्थापित किए गए भारी उद्योगों की संख्या कितनी है और लाभ तथा हानि सहित उनका वार्षिक कारोबार कितना है;

(ख) क्या सरकार को अब तक देश के ग्रामीण और पिछड़े क्षेत्रों में और अधिक भारी उद्योग स्थापित किए जाने के संबंध में कोई प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं, ताकि औद्योगिक विकास को प्रोत्साहन दिया जा सके और ऐसे क्षेत्रों से बेरोजगार युवाओं के पलायन को रोका जा सके और यदि हां, तो तत्संबंधी राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार ब्यौरा और वर्तमान स्थिति क्या है;

(ग) सरकार द्वारा औद्योगिक और आर्थिक विकास तथा क्षेत्रीय असंतुलन को दूर करने के लिए देश के ग्रामीण और पिछड़े क्षेत्रों में भारी उद्योग के प्रोत्साहन हेतु क्या कदम उठाए गए हैं; और

(घ) क्या सरकार का देश में भारी उद्योगों के विकास हेतु राष्ट्रीय नीति बनाने का विचार है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
भारी उद्योग और लोक उद्यम राज्य मंत्री
(श्री जी. एम. सिद्देश्वर)

(क) से (घ): उद्योग एक राज्य का विषय है और इसलिए देश में भारी उद्योगों की संख्या/भारी उद्योगों की स्थापना/भारी उद्योगों के विकास से संबंधित कोई भी केन्द्रीकृत आंकड़ा भारी उद्योग विभाग (डीएचआई) में नहीं रखा जाता है। भारी उद्योग विभाग की भूमिका इसके प्रशासनिक नियंत्रणाधीन केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों के प्रशासन तक सीमित है। तथापि, भारी उद्योग विभाग के अधीन केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों की सूची और इन केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों का पिछले तीन वित्तीय वर्षों के दौरान वार्षिक कारोबार और लाभ/हानि का ब्यौरा, लोक उद्यम सर्वेक्षण 2014-15 के खंड-I में उपलब्ध है, जो 26 फरवरी, 2016 को संसद के दोनों पटलों पर पहले ही प्रस्तुत किया जा चुका है।

इसके अतिरिक्त, राष्ट्रीय गुड्स केपिटल नीति "मेक इन इंडिया वीक" के दौरान 15 फरवरी, 2016 को भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्री द्वारा शुरू कर दी गई है। नीति का ब्यौरा भारी उद्योग विभाग की वेबसाइट <dhi.nic.in> पर उपलब्ध है।

******